STATEMENTS OF THE STANDING COMMITTEE ON LABOUR AND WELFARE

SHRI KA. RA. SUBBIAN (Tamil Nadu) : Sir, I lay on the Table a copy each (in English and Hindi) of the following statements of the Standing Committee on Labour & Welfare (Thirteenth Lok Sabha) :

(i) Statement showing further action taken by the Government on the recommendations contained in Eighth Action Taken Report of the Standing Committee on Labour and Welfare (2000-2001) (Thirteenth Lok Sabha) on the recommendations contained in Third Report (Thriteenth Lok Sabha) on Demands for Grants (2000-2001) Ministry of Labour.

(ii) Statement showing further action taken by the Government on the recommendations contained in Ninth Action Taken Report of the Standing Committee on Labour and Welfare (2000-2001) 'Thirteenth Lok Sabha) on the recommendations contained in Fourth Report (Thirteenth Lok Sabha) on Demands for Grants (2000 - 2001) Ministry of Social Justice and Empowerment.

(iii) Statement showing further action taken by the Government on the recommendations contained in Tenth Report of the Standing Committee on Labour and Welfare (2000-2001) (Thirteenth Lok Sabha) on the recommendations contained in fifth Report (Thirteenth Lok Sabha) on Demands for Grants (2000-2001) Ministry of Tribal Affairs.

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Demand for a statement by the Prime Minister on the role of P.M.O. in the U.T.I, fiasco as alleged by a member of the ruling coalition and also on his reported desire to resign

MR. CHAIRMAN: Dr. Manmohan Singh.

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तरांचल) : क्या पेश कर रहे हैं लीडर आफ दी अपोजीशन? क्या बोल रहे हैं?

MR. CHAIRMAN: Just one minute. *...(Interruptions)...* One minute. *...(Interruptions)...* As Chairman, I have permitted the Leader of the Opposition. You have no right to question me. I am allowing him. *...(Interruptions)...*

THE LEADER OF THE OPPOSITION (DR. MANMOHAN SINGH): Mr. Chairman, Sir, I am very sorry that the House could not transact its

normal business yesterday. I wish to emphasise that it is no part of our intention to disrupt the normal functioning of the House. However, we cannot be oblivious of the importance of unexpected developments which have a vital bearing on the functioning of our parliamentary system of Government. We are, indeed, very keen to hear the Government on issues which have arisen in the debate relating to the UTI. We have no objection to the hon. Finance Minister making a statement of his case. However, when a Member of Parliament belonging to the ruling coalition itself makes explicit references to the role of PMO in the UTI affair, we feel it is obligatory for the Prime Minister to take the House into confidence.

Similarly, Sir, when the Prime Minister makes a statement outside Parliament, when the Parliament is in session, about his inability to lead the Government and the Minister of Parliamentary Affairs also makes a statement to this effect outside Parliament, the concern for the dignity of Parliament warrants that the Prime Minister should take the House into confidence on circumstances which led him to make the statement he has matte.

I, therefore, urge that you may kindly ask the hon. Prime Minister to come to this House and make a statement on both the issues I have referred to. I understand a statement has, in fact, been made in the other House. Thereafter, we shall be very happy to hear the hon. Finance Minister.

MR. CHAIRMAN: Shri Pramod Mahajan.

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : सभापति महोदय,...(व्यवधान)...

श्री दीपांकर मुखर्जी (पश्चिम बंगाल) : मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।He has already given the statement outside the Parliament. The Minister of Parliamentary Affairs has given a statement yesterday. *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: I have called him to respond to the Leader of the Opposition. *...(Interruptions)...* I have asked the Minister to respond to the Leader of the Opposition. You cannot question that.

एक माननीय सदस्य : यह व्यवस्था का प्रश्न है।*...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: There is no point of order.

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रोद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : सभापति जी, सबसे पहले मैं यह स्प्ष्ट कर दूं कि संसद की और विशेषकर इस सदन की अवमानना करने का मुद्दा कभी मेरे मन में या सपने में भी नहीं आया। यह सच है कि कल प्रातःकाल भारतीय जनता

पार्टी की बैठक में प्रधान मंत्री जी ने त्यागपत्र देने की इच्छा व्यक्त की थी। उसी समय पार्टी ने उनकी इस इच्छा को स्वीकार नहीं किया। आज प्रातःकाल एन डी ए की बैठक हुई। उस बैठक में भी प्रधान मंत्री जी की इस इच्छा को पार्टी ने स्वीकार नहीं किया, एन डी ए ने स्वीकार नहीं किया। जब प्रधान मंत्री जी ने यह इच्छा दल की बैठक में व्यक्त की, सवा 11 बजे से विभिन्न चित्रवाणियों पर यह समाचार आया कि प्रधान मंत्री ने यह इच्छा व्यक्त की थी। इसका खंडन करना मैं समझता हूं कि देश के हित में था। जैसे में संसदीय कामकाज मंत्री हूं या सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री हूं वैसे ही मैं अपनी पार्टी का चीफ व्हिप दोनों सदनों का मिलाकर हूं और उसके नाते प्रेस को, जो खबर आई उस खबर के बाद की घटना और प्रधान मंत्री जी को हमने मना लिया है, यह बताना आवश्यक था और उसके अनुसार मैंने बता दिया। जहां तक सदन का प्रश्न है, जैसा मैंने कहा, मेरा कोई अवमानना करने का इरादा नहीं है लेकिन दल की बैठक में किसी का त्यागपत्र देने कीगी इच्छा मात्रा व्यक्त करना- यह इच्छा ही उन्होंने व्यक्त की थी- यह सदन में आकर कहना , मैं समझता हूं कि इस सदन के सम्माननीय सदस्य ...(**व्यवधान**)... इसकी मुझे कोई आवश्यकता नहीं लगती ...(**व्यवधान**)...

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश)ः प्रधान मंत्री का होता है ...(व्यवधान) यह ठीक नहीं जो माननीय संसदीय कार्यकारी मंत्री जी बात रहे हैं। प्रधान मंत्री देश का होता है । भाजपा ने मना लिया इससे काम नहीं चलेगा । उन्हें सदन में आकर कहना पड़ेगा।...(**व्यवधान**)...

SHRI RAJU PARMAR (Gujarat) : What prompted him to offer his resignation? *...(Interruptions)...*

SHRI N.K. PREMACHANDRAN (Kerala) : He has issued the statement in his capacity as the Minister of Parliamentary Affairs. *...(Inter uptions)...*

श्री सुरेश पचौरीःसभापति महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। मुझे आज्ञा प्रदान की जाए।

श्री सभापति : क्या व्यवस्था का प्रश्न है?.

श्री राजू परमारःआप देखिए क्यो होरहा है ।....(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरीः सभापति महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है ...(**व्यवधान**)... YOU cannot question the Chair. I have been permitted by the hon. Chairman

श्री सभापति : आपका वक्तव्य पूरा हो गया इनका वक्तव्य अभी पूरा नहीं हुआ है ।

श्री प्रमोद महाजनःमैंने कहा कि दल में किसी का इच्छा व्यक्त करना और इसकी संसद के बाहर की घटना ...(**व्यवधान**)... मैं नहीं समझता उसको मैं कोई राज्य सभा मेंआकर ...(**व्यवधान**)... राज्य सभा में दूसरा मामला चल रहा था उस पर मैं कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। उसमें यहां आकर मैं कोई जनाकारी देता इसकी आवश्यता मुझे नहीं लगी और जो मैंने किया वह मैंने कोई मंत्री के नाते नहीं किया, वह अपने पार्टी के व्हिप के नाते किया ...(**व्यवधान**)... पार्टी में जो घटना हुई थी उसके लिए किया ...(**व्यवधान**)... दूसरा मैं नहीं समझता इसमें कोई संसद का ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAJU PARMAR: It is not a question of your party. You are the Whip of your party. *...(interruptions)...*

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: What is happening here, Sir? *...(Interruptions)...* The whole issue was raised by him as the Minister of Parliamentary Affairs. Now, he is saying that he is the spokesman of his party. *...(Interruptions)...* How can he say so? *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Let him complete.

श्री प्रमोद महाजनः सभापति जी, दूसरे सदन में आज प्रातःकील यह विषय उठा था । प्रधान मंत्री वहां स्वयं उपस्थित थे और उन्होंने उन प्रश्नों के उत्तर में भी यही कहा कि मैंने इच्छा व्यक्त की थी । इच्छा मात्र व्यक्त करना – इसमें सदन में आने का प्रश्न नहीं होता है। इसलिए उन्होंने वहां भी कहा ।कल प्रधान मंत्री का यहां प्रश्नकाल है , अगर सम्माननीय सदस्य या विषक्ष के नेता कुछ पूछना चाहते हैं तो कल प्रधान मंत्री से पूछ सकते हैं। प्रधान मंत्री खुद अपना उत्तर देने में समर्थ हैं।

श्री सरेश पचौरी : सभापति महोदय,मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसू (पश्चिमी बंगाल)**:** सर , उससे पहले...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: सर, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। ...(**व्यवधान**)...

श्री नीलोत्पल बसू : युटीआई पर बहस में जो सवाल उठा है उसके संबंध में ...(**व्यवधान**)... प्रधान मंत्री आएं...(**व्यवधान**)... स्पष्टीकरण दें, उसके बारे में प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की गई है । सदन यह जानना चाहता है की ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: श्री सुरेश पचौरी ।...(**व्यवधान**)...

SHRI NILOTPAL BASU: Certain points were made about the UTI and the PMO's involvement. I would like to know whether the Prime Minister would come over here and clarify the position. *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: I have permitted Shri Suresh Pachouri to speak. *...(Interruptions)...*

श्री सुरेश पचौरीः सभापति महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न "रूल्ज ऑफ प्रोसीज़र एंड कंडक्ट ऑफ बिज़नेस इन द कौसिल ऑफ स्टेट्स " के रूल 188 के तहत हैं।

मान्यवर , आप जिस सर्वोच्च आसंदी पर विराजमान है और हम सब के लिए सर्वमान्य है , हम लोग आपसे हमेशा यही अपेक्षा करते हैं कि आफ जो निर्देशन दें, उन निर्देशनों का पालन सदन के सभी माननीय सदस्य करें। मैं समय-समय पर इस महान आसंदी पर विराजमान होते हुए जो सभापति रहे हैं और उन्होंने जो डाइरेक्शन दिए हैं , उनकी तरफ ध्यान आकर्षित करते हुए मैं अपनी बात कहना चाहता हूं कि दिनांक 5-6-1964 की राज्य सभा डिबेट यदि देखें तो उसके कॉलम 910 से 915 के बीच में यह बात कही गई है कि पार्टी में जो मैंटर डिसकस होता है

उसका सदन में उल्लेख नहीं किया जाना चाहिए। ठीक इसी प्रकार से दिनांक 8 अप्रैल ,1967 की राज्य सभा डिबेट को जब हम उठा कर देखते हैं तो उसके कॉलम 2927 से 2933 के बीच इस बात का उल्लेख किया गया है कि जो पार्टी मैटर है वह पार्टी की अपनी इटर्नल बात होती है और। It should not come within our purview and it can't do anything about it, as far as the Government is concerned.

मान्यवर मैं यह कहना चाहता हूं कि जिस वक्तव्य को लेकर यह बात उठी है उस वक्तव्य की कापी का अब यदि आप अवलोकन करें तो उसमें पार्लियामेंटरी अफेयर्ज़ मिनिस्टर का वक्तव्य है , वह किसी पार्टी के स्पोक्समैन का वक्तव्य नहीं है , वह किसी पार्टी के बीच व्हिप का वक्तव्य नहीं है और वह वक्तव्य प्रधान मंत्री के रेजिग्नेशन से संबंधित हैं। इसलिए यह मामला बहुत गंभीर बन जाता है । इसीलिए मैं बहुत विनम्रतापुर्चक आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि सभापति महोदय, ने जो समय-समय पर निर्देशन दिए हैं उन निर्देशन की अवहेलना हुई है और यह न केवल उन पुराने पार्लियामेंट के प्रिसीडेंट्स और प्रोसीडिंग्ज़ की अवहेलना है , जिनका कि मैंने जिक्र किया है बल्कि कौल एंड शकधर के "प्रैक्टिस एंड प्रोसीज़र ऑफ पार्लियामेंट" को देखें तो उसमें यह कहा गया है कि यदि त्याग –पत्र से संबंधित कोई मामला आता है तो वह प्रैस में जाने से पहले हाउस के सामने प्रस्तुत किया जाना चाहिए। जब दोनों सदन चल रहे थे तो इस सदन में उस बात की जानकारी दी जानी जरूरी है। दरअसल यह सदन की अवहेलना हुई है और इस सदन का अपमान है । उस सदन में परम आदरणीय प्रधान मंत्री जी ने अपना वक्तव्य दे दिया है और इस सदन का सम्मान नहीं किया जा रहा है । इस सदन की अवहेलना हो रही है। इस सदन में भी उनका वक्तव्य आना बहुत आवश्यक है। जैसा माननीय नेता डा० मनमोहन सिंह जी ने कहा है यदि कोई और वक्तव्य देता है तो हम यह मान कर चलते हैं कि इस सदन के साथ भेदभावपूर्ण बर्ताव किया जा रहा है ।

इसलिए मैं आपके माध्यम से आग्रह करना चाहुंगा , नंबर एक , समय-समय पर आपने जो निर्देशन दिए हैं उन निर्देशनों का पालन इस सरकार में रहने वाले मंत्री करें नंबर दो, इस सदन के स्वभिमान की रक्षा हो इसलिए जब उस सदन में प्रधान मंत्री जी ने वक्तव्य दिया है तो इस सदन में भी वह वक्तव्य दें । आप हमारे संरक्षक हैं, आप हमारे पालनहार हैं , इसलिए हम चाहते हैं कि आप ऐसा निर्देशन दें की प्रधान मंत्री यहां वक्तव्य दें ।

SHRI NILOTPAL BASU: It is a question of privilege. *...(Interruptions)...* Sir, I think, it is a question of privilege. *...(Interruptions)...* जो यहां किसी मैंबर नें उठाया है वह क्वश्चन ऑफ प्रिविलेज़ है। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: The hon. Member has given a notice and I am looking into it.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka) : Sir, it is true that the hon. Member has given a notice. *...(Interruptions)...*

SHRI HANSRAJ BHARDWAJ (Madhya Pradesh) : Sir, he is a Cabinet Minister. *...(Interruptions)...*

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Is he a spokesman of the Rajya Sabha? *...(Interruptions)...* Sir, the hon. Member has given a notice.

*...(Interruptions)...*Sir, I am asking for only one minute. *...(Interruptions)...* Sir, it will not bring name or fame if this sort of a commentary is made by Members *(Interruptions)...* We are also Members of this House. We have also our own self-respect and prestige. It should be respected by V other side. Manmohan Singhji rose to make a submission. You have rightly said that the Leader of the Opposition has taken permission to make a submission. Everybody sat and heard him with rapt attention and respect. Similar facility should be allowed to others also. Yesterday we saw what happened when the Finance Minister was responding to the debate. I am not going into that. Sir, the reason why I rise now is that under Rule 188, the hon. Member has raised a point of order. My submission is, if he has given a separate notice of privilege, I am not going to interfere because I am not aware of the contents of the privilege motion. Now, in the name of raising a point of order under Rule 188, he made a speech and made some observations which do not fall within the purview of the point of order. I request you to either ask him to withdraw those remarks, or, otherwise they should be deleted. *..(Interruptions)...* As far as this House is concerned, I am also aware *...(Interruptions)...* If he wants to move a privilege motion, let him move. *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Mr. Venkaiah Naidu, he has sent it to me and I am looking into it. *...(Interruptions)...*

श्री सुरेश पचौरी: सर, मैं वेंकैया नायडु जी के खिलाफ प्रिविलेज़ मोशन मूव करना चाहता हूं ।...(**व्यवधान**)...

श्री एम. वेंकैया नायडु: कर दीजिए ।...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी : आप किसी सदस्य के अधिकार को चुनौती दे रहे हैं? ...(**व्यवधान**)...

आप किसी सदस्य के अधिकार को चुनौती नहीं दे सकते ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAJU PARMAR: Sir, you have allowed Suresh Pachouri to make his submission. *..(Interruptions)...* He is challenging the Chair. *...(Interruptions)...* How can he do that?

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: I am not challenging *...(Interruptions)...* This is the way they always wrongly interpret things and then threaten us with a privilege motion. *...(Interruptions)...* Sir, as a Member and as a Minister, I humbly submit that when the Chair calls us, please, they should allow us to make our submission. *...(Interruptions)...* They are speaking every time. *...(Interruptions)...*

श्री सुरेश पचौरी : ये रूल्ज ऑफ प्रोसीजर में है , उस के मुताबिक मैं बोल रहा हूं . ...(**व्यवधान**)... जो सदन की परंपरा रही है , जो सदन की प्रोसीडिंग्स हैं, मैं उस का जिक्र कर रहा हूं । ...(**व्यवधान**)...

श्री खान गुफरान जाहिदी (उत्तर प्रदेश)**:** सर, आप के फैसले के बाद अब उन के बोलने की क्या आवश्यकता है?...(**व्यवधान**)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Under which rule or provision he has been allowed? . *...(Interruptions)...*

...(**व्यवधान**)... सर ,सरकार के मंत्री धमकीभरी बातों का प्रयोग कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री संध प्रिय गौतमः सर,...(**व्यवधान**)... ये प्रिविलेज का मोशन नहीं बनता । प्रधान मंत्री जी भा.ज.पा. संसदीय दल के नेता हैं । भा०ज०पा० संसदीय दल उन को मना सकता है। इसलिए यह कोई प्रिविलेज़ का मोशन नहीं बनता है।

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, just give me one minute. *...(Interruptions)...*

SHRI ARJUN SINGH (Madhya Pradesh) : Sir, I am grateful to you for this concession. Sir. the House has just heard your ruling on this matter that you have received a Motion and you have reserved it for your consideration. This is the end of the matter raised by Shri Pachouri. We do not want to press it further. It is now for you to deal with it, as you deem fit. What I am trying to say is that the House and, perhaps, the Treasury Benches have missed the spirit in which the Leader of the Opposition made the statement. It is very clearly mentioned by him that we do not want to obstruct the proceedings of the House and do not want to obstruct the Finance Minister from making his points. That must be clearly understood. The only second point which he has raised and which seems to be going over the heads of everyone. *...(Interruptions)...*

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: How can he say this? *...(Interruptions)...He* has said it. *...(Interruptions)...* I have heard him. *...(Interruptions)...*

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, are you protecting *met...(Interruptions)...* Sir, I am raising my hand..*(Interruptions)...*

SHRI K. RAHMAN KHAN (Karnataka) : He has taken the permission from the Chair.. *.(Interruptions)...* Why are you interrupting him?... *(Interruptions)...*

श्री सुरेश पचौरी: सभापति महोदय, माननीय सदस्य आपकी अनुमति से बोल रहे हैं और उन्हें रोका जा रहा है। ...(**व्यवधान**)...

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD (Bihar) : You both objected yesterday, single-handedly...*(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA (Jharkhand) : Sir, he should withdraw those words..*(Interruptions* ये कल वैल में आए थे...(**व्यवधान**)...

श्री अर्जुन सिंह: जी हां क्यों गया था, वही तो बता रहा हूं...(**व्यवधान**)... We are not obliged to listen to their sermons..*(Interruptions)...* What did I say?...*(Interruptions)...* What did I say?...*(Interruptions)...*

SHRI RAJU PARMAR: What is wrong?...*(Interruptions)...*

श्री रविशंकर प्रसाद (बिहार): सभापति महोदय, अर्जुन सिंह कल वैल में आए थे...ये इतने सीनीयर लीडर हैं और हाऊस की मर्यादा की बात कर रहे हैं । हाऊस की मर्यादा की बात करते हैं। ये इतने सीनीयर लीडर हैं....(**व्यवधान**)... Sir, he is such a senior leader and he rushed into the Weill..*(Interruptions)...*

SHRI RAJU PARMAR: Please allow him to speak..*(Interruptions)...* Why are they objecting? *...(Interruptions)...*

श्री अर्जुन सिंह :ये आखें जरा आप किसी और को दिखाएं...(**व्यवधान**)... Sir, all this intimidation.. *(Interruptions)...*

SHRI B.P. SINGHAL (Uttar Pradesh) : Sir, either he should withdraw those words or he should explain to the House..*(Interruptions)...*

श्री खान गुफरान ज़ाहिदी: सभापति जी क्या ये आपकी अनुमति से बोल रहे हैं...(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस.अहलुवालिया: ये मर्यादा नीति की बात कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

SHRI ARJUN SINGH: First you hear ma..*(Interruptions)...*It is only then you will know what I am saying..*(Interruptions)...*

श्री रवि शंकर प्रसाद : क्या बात कर रहे हैं ये ...(**व्यवधान**)... यह नहीं चलेगा । अर्जुन सिंह को अपने आचरण की माफी मांगनी चाहिए...(**व्यवधान**)...

SHRI ARJUN SINGH: Sir, I am not prepared to be browbeaten by these people..*(Interruptions)...* I know what I am saying..*(Intenyptions)...*

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: You have no right..*(Interruptions)...* You should know *sabha maryada...(Interruptions)...*

श्री अर्जुन सिंह : ये आंखे किसी और को दिखाइए मुझे नहीं । मैं सब जानता हूं ...(**व्यवधान**)...

श्री राजू परमार: आप लोग नहीं चाहते हैं कि हाउस में इस पर डिस्कशन हो ...(**व्यवधान**)...

श्री एस० एस० अहलुवालिया: इन्होंने कल सदन की कार्यवाही बंद करवाई ...(**व्यवधान**)...

SHRI ARJUN SINGH: Sir, he is taking my name *...(Interruptions)...You* give me permission to reply...*(Interruptions)...* Sir, I am only saying that the spirit in which the Leader of the Opposition made the statement is not being understood properly...*(Interruptions)...*

श्री सुरेश पचौरी: सभापति महोदय, जो माननीय सदस्य आपकी अनुमति से बोल रहे हैं उनके साथ भी तमाशाई रुख अपनाया जा रहा है, उन्हें भी बोलने नहीं दिया जा रहा है ...(**व्यवधान**)...यह क्या हो रहा है ...(**व्यवधान**)... ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री जी ने ईसी शर्त पर इस्तीफा वापस लिया है कि जब कभी कांग्रेस पार्टी के या विपक्षी दल के सदस्य बोलें तो उन्हें बोलने न दिया जाए। ...(**व्यवधान**)...

SHRI ARJUN SINGH: Sir, I want to have my say...*(Interruptions)...* I need your *protection..(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: The House is adjourned for ten minutes.. *(Interruptions)...*

The House then adjourned at twenty-three minutes past twelve of the clock.

The House re-assembled at thirty-nine minutes past twelve of the clock,

[THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANTOSH BAGRODIA) in the Chair.]

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANTOSH BAGRODIA): The House is adjourned till 2 0" clock.

The House then adjourned for lunch at forty minutes past twelve of the clock.

The House reassembled after lunch at two of the clock,
[MR. CHAIRMAN in the Chair]

प्रधानमंत्री (श्री अटल बिहारी वजपेयी): सभापति जी, आज प्रतिपक्ष के नेता डा.मनमोहन सिंह जी ने कुछ मुद्दे उठाए थे, मैं उस समय सदन में उपस्थित नही था, आपने मुझे उनके बारे मं स्पष्टीकरण देने का जो अवसर दिया है उसके लिए मैं आपका आभारी हूं। जहां तक मेरे कथित त्याग पत्र का सवाल है, मैंने पार्टी की मीटिंग में त्याग-पत्र देने की इच्छा जरूर प्रकट की थी लेकिन पार्टी ने उसे स्वीकार नहीं किया। उसके बाद आज प्रातःकाल एनडीए की भी मीटिंग हुई थी उसमें भी सर्व सम्मति से मुझे कहा कि मैं काम करता रहूं। बात खत्म हो गई । उसका बतंगड़ बनाया जाए उसकी जरूरत नहीं है।

दूसरा प्रश्न है यूटीआई का। सभापति महोदय, पीएमओ का यूटीआई से कुछ लेना देना नहीं है और इस समय जो मामला उठ रहा है उससे पीएमओ सर्वथा पृथक है, अगर किसी जांच की आवश्यकता हो तो जांच हो सकती है।

MR. CHAIRMAN : Now, Bill to be introduced.

THE INDIAN RAILWAY COMPANIES (REPEAL) BILL, 2001

THE MfNISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI O. RAJAGOPAL): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to repeal the Indian Railway Companies Act, 1895.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI O. RAJAGOPAL: Sir, I introduce the Bill.

THE RAILWAY COMPANIES (SUBSTITUTION OF PARTIES IN CIVIL PROCEEDINGS) REPEAL BILL, 2001

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND' MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY *OF* RAILWAYS (SHRI O. RAJAGOPAL): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to repeal the Railway Companies (Substitution of Parties in Civil Proceedings) Act, 1946.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI O. RAJAGOPAL: Sir, I introduce the Bill.

MR. CHAIRMAN: Mr. Yashwant Sinha.

SHORT DURATION DISCUSSION

On working of UTI with special reference to freeze on sale and repurchase of US-64 - *Contd.*

SHRI NILOTPAL BASU (West Bengal) :Mr. Chairman, Sir.. *(Interruttions)...*

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.